सीएसए में आयोजित तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का हुआ समापन

कर्म कसौटी



कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का समापन व पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न हुआ। 15 से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित इस मेले ने आधुनिक कृषि तकनीक,वैज्ञानिक नवाचारों और किसान-उद्यमी सहभागिता का एक सशक्त मंच प्रस्तुत किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि कुलपति एचबीटीयू डॉ शमशेर सिंह एवं डॉ सीमा परोहा निदेशक एनएसआई ने किसानों को आधुनिक तकनीक, कृषि विविधीकरण, बेहतर विपणन तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने हरित क्रांति में चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के ऐतिहासिक योगदान की सराहना करते हुए कृषि वैज्ञानिकों एवं विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। विशिष्ट अतिथि डॉ जी पी दीक्षित निदेशक भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर, डॉ एस के चतुर्वेदी निदेशक शोध रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी, डॉ एन के बाजपेई निदेशक प्रसार बांदा कृषि विश्वविद्यालय, डॉ नन्द किशोर पूर्व संयुक्त निदेशक कृषि कृषि विभाग, डॉ सीमा सोनकर अधिष्ठाता गृह विज्ञान, बाबू सिंह अध्यक्ष चंद्र शेखर कृषक समिति तथा अन्य अतिथियों ने भी किसानों की समृद्धि, कृषि में नवाचार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने पर बल दिया।

निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि किसान मेले की प्रमुख उपलब्धियाँ 175 से अधिक स्टॉलों के माध्यम से कृषि तकनीक, उत्पादों एवं नवाचारों का प्रदर्शन किया। लगभग 35 स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों एवं उद्यमों के प्रदर्शन का अवसर एवं उत्कृष्ट प्रतिष्ठानों, सर्वोत्तम प्रदर्शनकर्ताओं, महिला क्लब एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने किसान मेले को वैज्ञानिकों, शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, किसानों एवं कृषि उद्यमियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताते हुए कहा कि किसानों का विश्वविद्यालय के प्रति अटूट विश्वास इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। निदेशक प्रसार डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि किसान मेले में 50 लाख से अधिक रूपयों के बीज बिक्री हुई है। जबकि 25000 से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया है। इस अवसर पर सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं किसान मौजूद रहे।

ामर्थ केंद्र का हुआ उद्घाटन

ति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक



दिया जाए ताकि इसकी लोकप्रियता बढ़े और यह केंद्र उत्तरोत्तर विकास करे। वरिष्ठ आयुर्वदाचार्य डॉ वंदना पाठक ने कहा कि बीमारियों की पहचान और उपचार में ज्योतिष की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होने कहा कि कई बार इलाज के बाद भी जब मरीज ठीक नहीं होते तो ज्योतिषीय उपायों से उन्हे न केवल ठीक होने में मदद मिलती है बल्कि मानसिक रूप से भी ठीक होने में मदद मिलती है। प्रति कुलपति प्रोफेसर सुधांशु पाण्डिया ने कहा कि परामर्श केंद्र को एआई से जोड़ना चाहिए ताकि कम समय में उचित परामर्श दिया जा सके। इसका प्रचार प्रसार होना चाहिए। कुलसचिव राकेश कुमार ने कहा कि इस केंद्र के खुलने से विश्वविद्यालय परिवार के साथ आम जनमानस को भी लाभ मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ मानस उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर दीनदयाल शोध केंद्र के सभी शिक्षक, छात्र, हेल्थ साइंस विभाग के निदेशक प्रोफेसर मुनीश रस्तोगी, हरीष मौजूद रहे।